



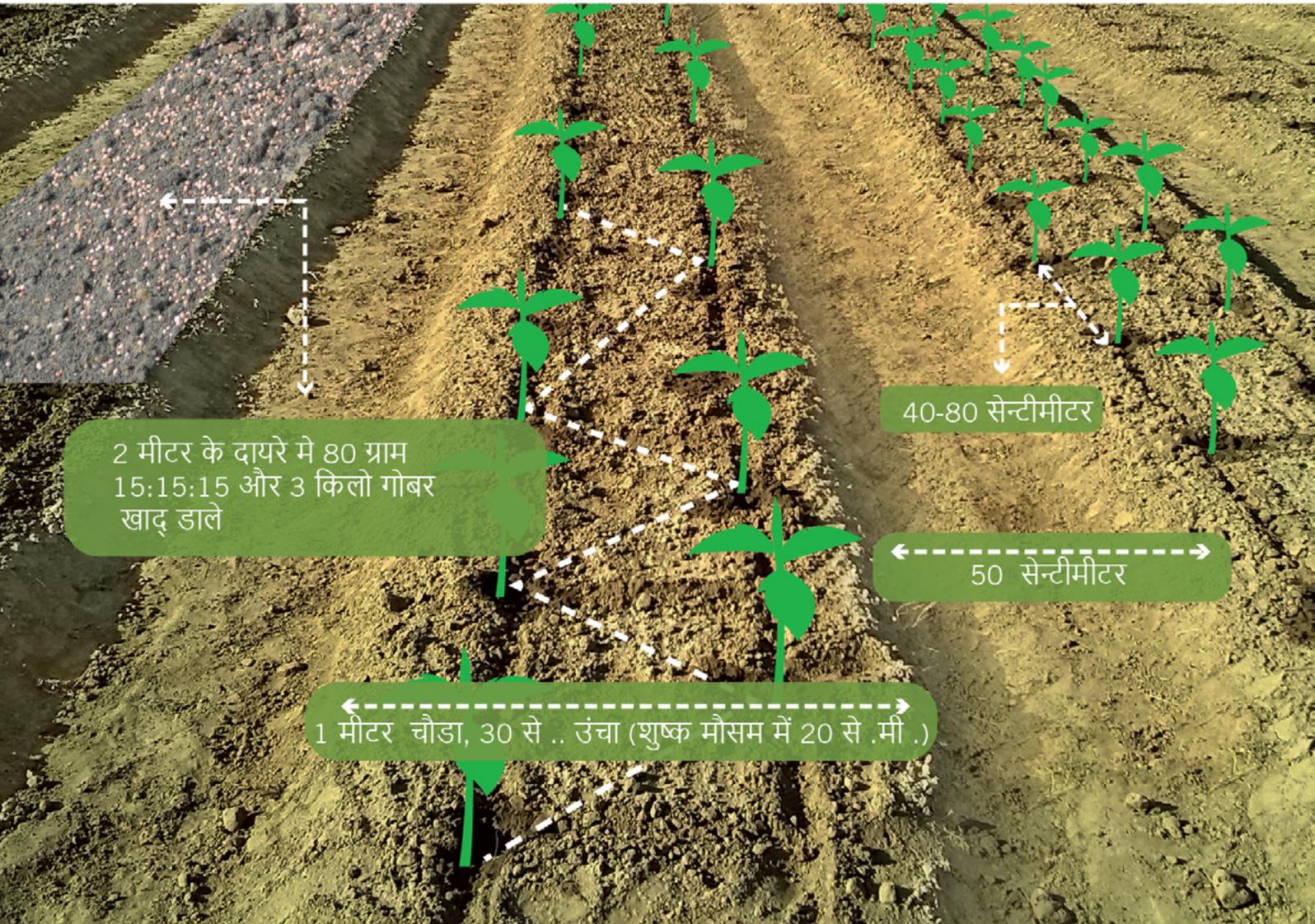
# खेत की जुताई और पुर्वतैयारी। गेंदा



HINDI

## • खेत की जुताई और पुर्वतैयारी।

- » सकरा मार्ग सिंचाई और जल निकासी में मदद करते हैं
- » जैविक अथवा प्लास्टिक मल्व को मिट्टी में नमी संरक्षित करने एवं खरपतवार नियंत्रण के लिये उपयुक्त किया जा सकता है।
- » रोपाई के 8-10 दिन बाद ट्रेलिस स्थापित करें
- » 16,660-33, पौधे प्रति हेक्टेयर (किस्म और मौसम के अनुसार बदलाव)



2 मीटर के दायरे में 80 ग्राम  
15:15:15 और 3 किलो गोबर  
खाद डालें

40-80 सेंटीमीटर

50 सेंटीमीटर

1 मीटर चौड़ा, 30 से .. उंचा (शुष्क मौसम में 20 से .मी .)

# • पौधे तैयार करना।

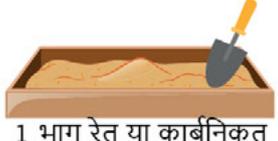
- मीडिया तैयार करना; 10 मिनट के लिए गरम करना या कडी धूप में आधे दिन तक रखना उसके उपरान्त ट्रे में डालना।



1 से 2 भाग मिट्टी के



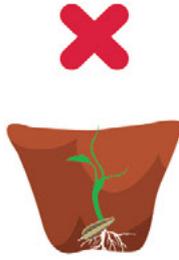
1 भाग विघटित खाद



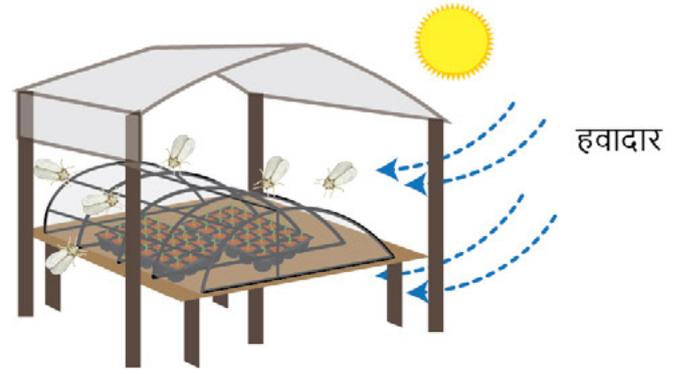
1 भाग रेत या कार्बनिकृत चावल के छिलके



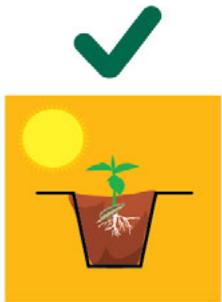
- बीज बोना और पौधों की रक्षा करना।



बुवाई की गहराई = 2 बीज का आकार



- नमी बराबर रखना



सुबह



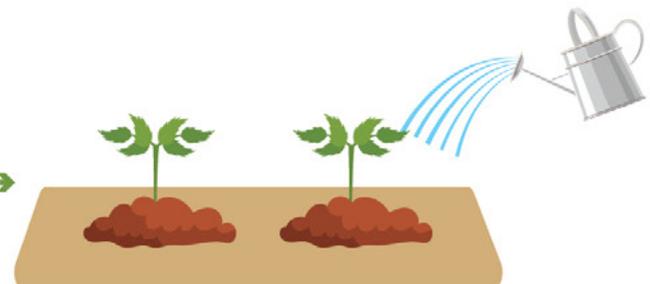
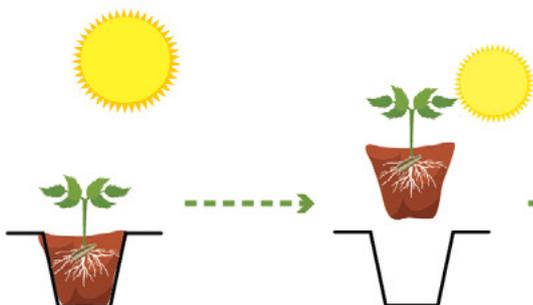
Evening

पौधों के बाहर निकलने के 10 दिन बाद पौधों को 10 लीटर पानी में ग्राम कैल्शियम नाइट्रेट घोलकर मज्जन कराये। (यदि आवश्यकता हो)

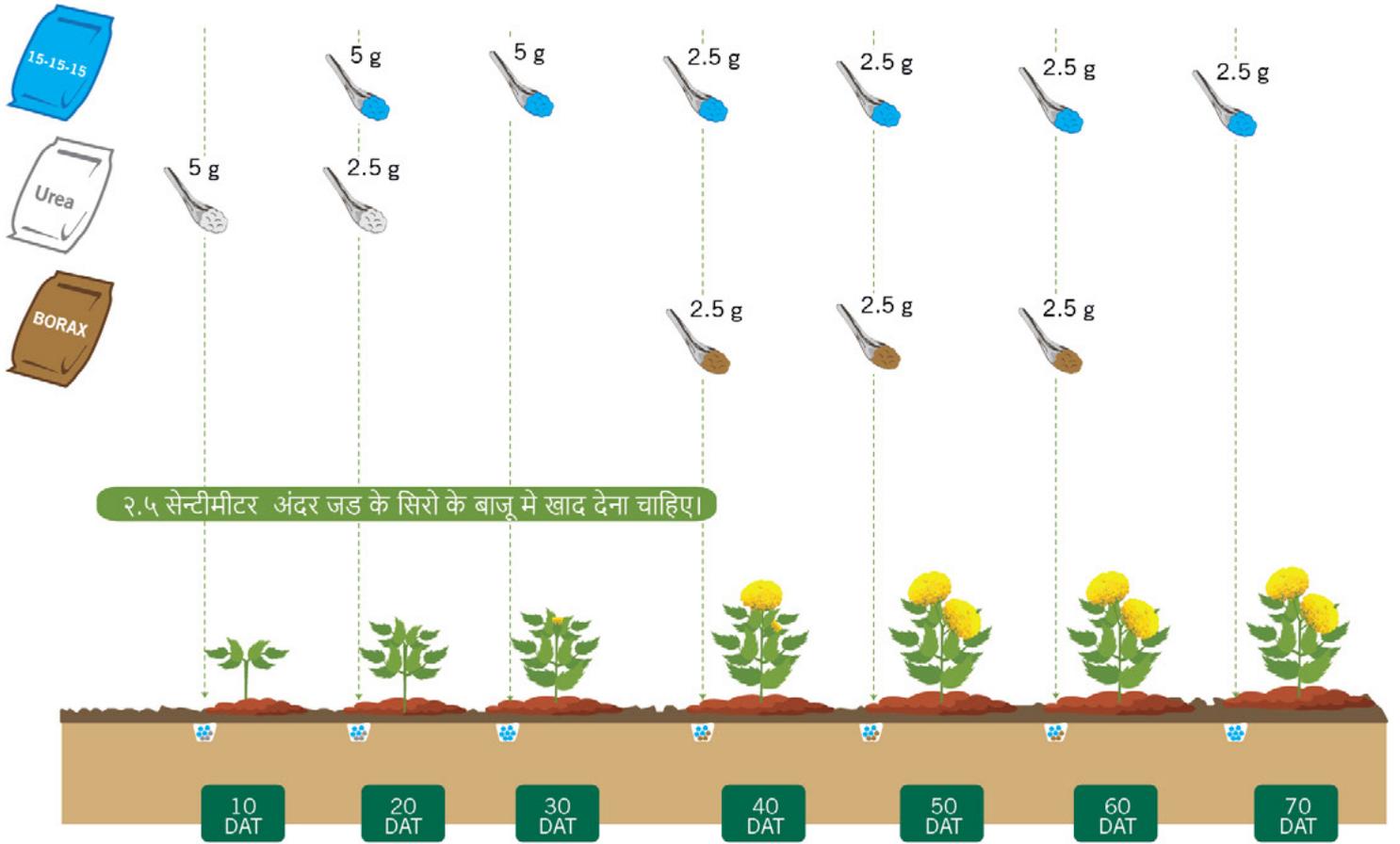


15-20 दिन

- पुर्व रोपण के 2-3 दिन पहले पानी की मात्रा कम करके, पौधों को धूप देना जरूरी है।



## • खाद व्यवस्थापन



फसल में खाद की अनुशंसित मात्रा २६,६०० प्रति हेक्टेयर पौधों के लिये है। खाद का उपयोग मृदा स्थिति, मौसम एवं पौधे की बढ़वार के अनुसार समायोजित कर सकते हैं।

## • एकीकृत कीट प्रबंधन



» स्टिकी टेप का उपयोग कीटों की निगरानी व अधिक संख्या में कीटों को पकड़ने के लिए करें।



रोगों के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिये संक्रमित पौधों, पुराने पौधे एवं खरपतवार नष्ट कर दे व हटा दें।

रोपाई के ५ वें दिन या 10-12 दिन बाद पिंचिंग या शीर्ष छटनी करें



फसल चक्रण करने से कीट और रोग रूकते हैं और मिट्टी की उर्वरता भी बढ़ती है।

# • एकीकृत कीट प्रबंधन एवं रसायनों का सावधानीपूर्वक उपयोग।

- » प्रतिरोधी क्षमता रोकने के लिये दुसरे कारवाई समूह रसायन उपयोग करे।
- » हमेशा कीटनाशक पर्चा पढे।



क्रियाशील घटक	कारवाई की विधि	क्रिया	माहु	सफेदमक्खी	इल्ली	लीफ माइनर (टूटा एब्सोलुटा)	लाल मकड़ी
ल्याम्डा - सायलोथ्रीन	3A	SC	✓	✓	✓	✓	✓
डायनोटेफुरान	4A	S	✓	✓	✓	✓	✓
स्पिनोसाड	5	S			✓	✓	
स्पाइनटारम	5	SC			✓	✓	
अब्याम्याक्टीन	6	SC (अल्प )			✓	✓	✓
थायोसायक्लम ऑक्सिलेट	14	SC	✓	✓		✓	
क्लोरोनट्रानिलीप्रोल	28	S			✓		
फ्लूबेन्डीआमाईड	28	S			✓		
बैसीलस थुरानजैन्सिस	11A	C			✓		
अजाडीराक्टीन(नीम अर्क)	UN	अनजान	✓	✓	✓	✓	✓

कारवाई की विधि (MoA) bIRAC; SC (पेट+ संपर्क); S (प्रणालीनुसार)



क्रियाशील घटक	कारवाई की विधि	क्रिया	टिप्पणी	जीवाणु उखटा	अल्टरनेरिया पत्ति धब्बा	चूर्णीत आसित्ता	फूल कुंज
कॉपर आधारित फफूंदनाशी	M 01	P	जीवाणु रोग के लिए :सिर्फ आवश्यकता अनुसार उपयोग करे :संभावित प्रतिरोध से बचने के लिए अत्यधिक उपयोग न करे।	✓	✓	✓	✓
क्लोरोथालोनील	M 05	P		प्रतिरोधी किस्म अथवा रोगमुक्त पौधे का उपयोग करे।	✓	✓	✓
मैनकोजेब	M 03	P			✓	✓	✓
अझोक्सिस्ट्रोबीन	11	P + C	एक फसल चक्र के लिये अधिकतम चार बार ।		✓	✓	✓
बैसीलस सबटिलस	BM02	P		✓		✓	✓

कारवाई की विधि (MoA) FRAC; P= प्रतिबंधित (जब तक लक्षण न दिखे तब तक प्रभावी), C=रोगनिवारक

- सुरक्षित इस्तेमाल करे
- अच्छा मौसम
- अच्छे नोज़झेल
- छिडकाव के बाद अच्छे से धोये ।



<https://growhow.eastwestseed.com>

इस फसल मार्गदर्शिका की पृष्ठी ईस्ट-वेस्ट सीड फौंडेशन की जानकारी श्रृंखला का भाग है, © 2021 कॉपीराइट - ईस्ट - वेस्ट सीड फौंडेशन के पास सभी अधिकार सुरक्षित है। कृषि रसायनों की संस्तुति वागैनिंगेन यूनिवर्सिटी एवं अनुसंधान के सहयोग से विकसित किया गया है।

